जल संकट : रहवासियों का फूटा आक्रोश, कांग्रेस के साथ किया प्रदर्शन

▶ निजी टैंकर से बांटने पर रोक और पानी भरने में भेदभाव का आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में भीषण गर्मी में पानी के लिए आम जनता परेशान हो रही है. इस बीच निजी पानी टैंकर पर रोक और पानीभरने में भेदभाव के कारण खामियाजा जनता भुगतने को मजबूर है. इसी को लेकर रविवार को कांग्रेस पार्षदों ने अलग-अलग क्षेत्र में प्रदर्शन किया.

जल संकट की विकट स्थिति के बीच वार्ड 75 के पार्षद कुणाल सोलंकी ने प्रातः 10.30 बजे नेमावर रोड स्थित पालदा चौराहे पर हनुमान मंदिर के पास चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान बड़ी संख्या में वार्ड के रहवासियों ने पानी की कमी और टैंकर नहीं बढ़ाने को लेकर नगर निगम और महापौर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. देखते ही देखते प्रदर्शन चक्काजाम में बदल गया, जिससे सडक़ के दोनों ओर लंबा जाम लग गया. इस दौरान आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा. पार्षद का कहना है कि वार्ड 75 की सिर्फ 2 कॉलोनियों में नर्मदा पानी की सप्लाई है, उसमें भी सिर्फ 15 मिनट पानी आता है, शुरू में 19 मिनट तो गंदा पानी आता है. सिर्फ 5 मिनिट थोड़ा साफ पानी होता है, वह भी इतने कम प्रेशर से आता है कि पूर्ति नहीं हो पाती है. सोलंकी ने कहा कि बाकी सारी जगह टैंकर से पानी देते हैं, लेकिन मुझे सिर्फ 5 टैंकर दे रखे हैं, उसमें भी विधायक एवं इंजीनियर दो टैंकर का उपयोग कर लेते हैं. तीन टैंकर से क्षेत्र में पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं. पार्षद सोलंकी ने आरोप लगाया कि हाइड्रेंट पर विधायक समर्थक मंडल अध्यक्ष का कब्जा है और वो चाबी ले जाते हैं. रात को निजी टैंकर भरकर हमारे साथ भेदभाव कर रहे हैं.

एसीपी के पैर में गिरकर पार्षद ने मांगा पानी

पालदा में पानी की समस्या को लेकर आज पार्षद कुणाल सोलंकी ने चक्काजाम किया. चक्काजाम करने से एसीपी ने रोकने की कोशिश की, तो पार्षद सोलंकी ने दंडवत प्रणाम कर कहा कि आप पानी दिलवा दो. प्रदर्शन में शामिल वार्ड के रहवासी बोले पानी नहीं मिल रहा है. हम इंसान नहीं है क्या? एसीपी कोई जवाब नहीं दे पाए.

....

नेमावर रोड पर 2 घंटे ठप रहा ट्रैफिक, 18 नामजद सहित अन्य पर केस दर्ज

पार्षद कुणाल सोलंकी और समर्थकों द्वारा बिना अनुमति किए गए प्रदर्शन और चक्काजाम के कारण नेमावर रोड पर करीब 2 घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा. मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और सडक़ पर डटे रहे. तो थाना भंवरकुआं में 18 नामजद सहित अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. पुलिस ने बिना अनुमति भीड़ एकत्रित करने, आम रास्ता बाधित करने और लोक व्यवस्था प्रभावित करने की धाराएं लगाई हैं. थाना प्रभारी संतोष दूधी ने बताया कि इस मामले में कुणाल सोलंकी सहित राकेश सिलावट, पवन पुरी, तारा पटेल, कमल प्रजापत, दिनेश पटेल, पवन पटेल, दौलत पटेल, दिनेश प्रजापत, नीलू ठाकुर, दिलीप सुरागे (पूर्व पार्षद), दिनेश कुशवाह, अजय झा, सतीश शिंदे, सुरेश सोलंकी, गौरव मराठा, सुनील मंडलोई, शुभम करोसिया एवं महिला झमु चौहान को नामजद आरोपी बनाया है. इसके अलावा अन्य प्रदर्शनकारियों की पहचान वीडियो फुटेज के आधार पर की जा रही है.

वार्ड 27 के कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया ने भी रहवासियों के साथ किया प्रदर्शन

दूसरी ओर रविवार को ही सुखलिया जोन-5 पर वार्ड 27 के कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया एवं रहवासियों ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कांग्रेस नेता विनोद बब्बू यादव द्वारा पिछले 12 वर्षों से क्षेत्र में निःशुल्क पेयजल वितरण किया जा रहा था, लेकिन नगर निगम अधिकारियों और भाजपा नेताओं के हस्तक्षेप के चलते पिछले दो दिनों से पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई है.

पार्षद भदौरिया ने आरोप लगाया कि निजी टैंकर से स्वयं के खर्चे से रहवासियों को जल संकट से राहत दे रहे हैं तो महापौर और नगर निगम विरोध कर रहे हैं, जबकि डीजल और ड्राइवर का खर्च जेब से कर रहे हैं. निगम के हाइड्रेड पर ड्राइवर 11 से 12 और शाम 4 से 6 बीच सिर्फ दो ट्रिप ही लगा पाते हैं, बाकी शाम को ड्राइवर चले जाते हैं. निजी टैंकर बंद करने से समस्या और गंभीर हो गई. सुखलिया झोन पर निगम कार्रवाई से नाराज रहवासियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मौके पर महापौर एवं नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और वार्ड में पानी की पूर्ति बहाल करने की मांग की.

विजयनगर पानी टंकी का महापौर ने किया निरीक्षण

इंदौर. शहर में पानी की विकट स्थिति को लेकर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आज विजयनगर स्कीम नंबर-54 की पानी की टंकी का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान महापौर ने टैंकरों की लॉग बुक की जांच की. लॉग बुक की जानकारी के आधार पर क्षेत्र के रहवासियों से दूरभाष पर चर्चा कर पानी स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पानी वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. जनता को समय पर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना प्राथमिकता है.

एक नजर में

गूंजा भक्ति रस : सुंदरकांड व संगीतमय भजनों पर झूमे श्रद्धालु

महू. केसर पैलेस में बाडमेरा (सोनी) परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा में इन दिनों भक्तिमय वातावरण बना हुआ है. 21 मई से 29 तक आयोजित इस धार्मिक आयोजन में स्वामी रामनारायण महाराज द्वारा श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया जा रहा है. कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं. इसी क्रम में रात्रि 8 बजे प्रसिद्ध भजन गायक सुधीर व्यास द्वारा सुंदरकांड एवं संगीतमय भजनों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई. भजनों की मधुर स्वर लहरियों और भक्तिमय संगीत ने ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु झूम उठे. महिलाओं एवं पुरुषों ने भक्ति भाव से भजनों का आनंद लिया और पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा. कार्यक्रम के अंत में महाआरती की गई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया.

ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने शहर की 35 संस्थाएं आईं सामने

महू. शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को लेकर शहर की सामाजिक संस्थाएं आगे आई हैं. यातायात सुधार के लिए 35 संस्थाओं के संरक्षकों की मौजूदगी में हुई बैठक में इस संबंध में विचार-विमर्श किया गया. बैठक में नगर की यातायात व्यवस्था से संबंधित सभी बिंदुओं पर चिंतन किया गया. संस्थाओं की तरफ से यातायात की समस्या के साथ-साथ उसमें किस तरह सुधार किया जाए. इस पर भी सुझाव दिए गए. बैठक की अध्यक्षता राधेश्याम बियानी और कांता सोडाणी ने की. प्रतिवेदन तृप्ति मिश्रा ने दिया. आभार मनीष श्रीवास्तव ने माना. बैठक में निर्णय लिया गया कि सामाजिक संस्थाओं की अगली बैठक स्टेशन हेड कमांडेंट, छावनी अधिशासी अधिकारी, एसडीएम, यातायात पुलिस प्रभारी और जन प्रतिनिधियों के साथ की जाएगी. संस्थाओं की तरफ से डॉ. बीके ठाकर, डॉ. सुरेश कुमार चौहान, डॉ. नरेंद्र शर्मा, मेजर सौरभ शर्मा, मेजर अवधेश कुमार, राधेश्याम बियानी, गोविंद शर्मा, शैलेंद्र शुक्ला, डॉ. सुधीर सिसोदिया, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव, दिनेश सोलंकी, बीके कौशल, गब्बू जैन, अरुण सोलंकी, ब्रजेश अमोनिया, अनिल नरवल, प्रदीप नीम, राजेश पाटीदार, राहुल तलरेजा, अभिषेक सिंह, सर्वेश चौरसिया, आशीष जैन, पायल परदेशी, दिव्या सक्सेना, मीना ठाकुर, शोभा व्यास, अंशु गुप्ता, राजश्री गर्ग, करुणा लोहारिया, तृप्ति मिश्रा, अनामिका तिवारी आदि उपस्थित रहे.

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 7 जून को, तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

महू. डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मेमोरियल सोसायटी, डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक, एलएनसीटी मेडिकल कॉलेज तथा सेवाकुंज अस्पताल इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में 7 जून रविवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक महू पर विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा. इस संबंध में स्मारक कार्यालय पर आयोजक वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमित सोनी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई. बैठक में शिविर की व्यवस्थाओं एवं प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. डॉ. सोनी ने बताया कि शिविर में हृदय रोग, न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नाक-कान-गला रोग, चर्म रोग, शिशु रोग, दंत रोग एवं मेडिसिन सहित विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क परामर्श दिया जाएगा. मोतियाबिंद, पथरी, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसिल, बच्चेदानी, फिस्टुला सहित समस्त प्रकार के ऑपरेशन नि:शुल्क किए जाएंगे. साथ ही मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां, विभिन्न प्रकार की जांच, ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन एवं सोनोग्राफी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी. संयोजक राजेश वानखेड़े ने सेक्टरवार प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारियों की जानकारी दी. वहीं डॉ. संजय जैन एवं डॉ. नितीश राठौर ने शिविर को सफल बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए.

मासूम बेटी के सामने पति ने पत्नी की हत्या कर खुद खा लिया जहर

▶ सुसाइड नोट में लिखा- पत्नी के दूसरे से थे संबंध, हम जहर खा रहे

▶ घर के अंदर से बेटी के लगातार रोने की आवाज पर पड़ौसियों ने पुलिस का सूचना दी

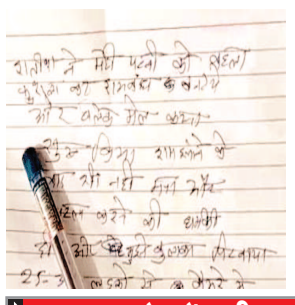

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरा नगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक ने पहले पत्नी की हत्या की और फिर खुद जहर खाकर जान दे दी. घटना का खुलासा तब हुआ, जब उनकी मासूम बेटी के लगातार रोने की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी.

मेघदूत नगर निवासी हल्के वीर पटेल ने अपनी पत्नी रोशनी की हत्या कर दी. इसके बाद उसने जहरीला पदार्थ खा लिया. सुबह करीब साढ़े छह बजे पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां दोनों के शव पड़े मिले. पुलिस जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था.

पत्नी के कथित प्रेम संबंधों को लेकर हल्के वीर को शक था. शनिवार को वह एक रिश्तेदार के साथ पीथमपुर जाकर सतीश साहू से बात करने भी पहुंचा था, जिसके अगले ही दिन यह घटना हो गई.

सुसाइड नोट में पत्नी द्वारा धोखा देने का उल्लेख

मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है. इसमें पत्नी द्वारा धोखा देने और सतीश साहू से संबंध होने की बात लिखी गई है. नोट में बेटी की जिम्मेदारी साली को सौंपने और संपत्ति 18 साल की उम्र के बाद बेटी को देने का जिक्र है. साथ ही सतीश साहू पर मारपीट का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है. थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि सुसाइड नोट में दोनों के जहर खाने का उल्लेख है, लेकिन महिला के गले पर चोट के निशान मिले हैं. इससे आशंका है कि पहले गला घोंटकर हत्या की गई, फिर आरोपी ने आत्महत्या की. पुलिस ने दोनों के मोबाइल जब्त कर लिए हैं और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

हनी ट्रैप : छत्तीसगढ़ के एक आला अधिकारी का नाम चर्चा में, जांच एजेंसियां सतर्क

नव भारत न्यूज

इंदौर. चर्चित हनी ट्रैप-2 मामले में जांच के दौरान एक बड़ा एंगल सामने आया है. डिजिटल साक्ष्यों और मोबाइल डाटा की जांच के बीच छत्तीसगढ़ के एक आला अधिकारी का नाम चर्चा में आने से मामला और संवेदनशील हो गया है. हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी भी स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

सूत्रों के मुताबिक आरोपियों के मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से मिले डेटा में कुछ और हाईप्रोफाइल संपर्कों के संकेत मिले हैं. जिसके तहत छत्तीसगढ़ के एक वरिष्ठ अधिकारी तक कनेक्शन जुड़ने की बात सामने आ रही है, जिसे लेकर जांच एजेंसियां बेहद सतर्कता से आगे बढ़ रही हैं. जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि पूरा मामला फिलहाल फॉरेंसिक और तकनीकी सत्यापन के चरण में है. किसी भी नाम या भूमिका को अंतिम रूप से तभी माना जाएगा जब डिजिटल साक्ष्यों की पुष्टि पूरी हो जाएगी. एजेंसियां यह भी खंगाल रही हैं कि यह नेटवर्क किन-किन जगहों पर सक्रिय था और किस स्तर तक इसकी पहुंच रही है. मामले में डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि फिलहाल हर पहलू की बारीकी से पड़ताल की जा रही है. आने वाले दिनों में इस मामले में और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है. चूकिं मामले में जांच चल रही हैं, इसलिए इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता है.

किशोरी को जबरन स्कूटर पर बैठाकर ले गया, की छेड़छाड़

इंदौर. छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी को जबरन स्कूटर पर बैठाकर ले जाने और उसके साथ छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है. घटना देर रात महू-पीथमपुर बस स्टॉप की है.

आरोपी किशोरी को एक्टिवा पर बैठाकर ले गया और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है.

महिला से बदसलूकी कर जान से मारने की दी धमकी: छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में ही एक अन्य मामले में 30 वर्षीय महिला के साथ बदसलूकी और धमकी देने का मामला दर्ज किया है. शनिवार रात सरवटे बस स्टैंड के पास की है. आरोपी गितेश सिंह बग्गा ने महिला को बुरी नियत से घूरा, गाली-गलौज की और झूमाझटकी कर जान से मारने की धमकी दी. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

54 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो युवकों को पकड़ा

▶ जब्त की गई ड्रग्स की कीमत 6 लाख रुपए बताई जा रही

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने पोलोग्राउंड चौराहे के पास कार्रवाई करते हुए 54.11 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से ड्रग्स समेत करीब 6 लाख रुपए का माल जब्त किया है, जबकि बरामद ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 5.40 लाख रुपए बताई जा रही है.

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि तिलकपथ स्थित पोलोग्राउंड चौराहे के पास दो संदिग्ध युवक खड़े हैं. सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा, जो रोड किनारे बैग टांगे खड़े थे. पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम नावेद खान और फरहान खान निवासी जबरन कॉलोनी, खाचरोद रोड नागदा बताए.

बैग में प्लास्टिक थैली में छिपाकर रखी थी ड्रग्स

तलाशी लेने पर उनके बैग से प्लास्टिक थैली में छिपाकर रखी गई 54.11 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई. इसमें नावेद के पास से 21.94 ग्राम और फरहान के पास से 32.17 ग्राम ड्रग्स मिली. पुलिस पूछताछ में सामने आया कि नावेद ऑटो चालक है और 11वीं तक पढ़ा है, जबकि फरहान कपड़े की दुकान पर दिहाड़ी मजदूरी करता है और 9वीं तक शिक्षित है. दोनों से पूछताछ की जा रही है कि वे ड्रग्स कहां से लाए और किन लोगों को सप्लाई करने वाले थे.

एक नजर में ▶ नगर निगम द्वारा भेजा जा रहा छोटा टैंकर जरूरत पूरी नहीं कर पा रहा, महिलाएं, बच्चे तक खाली बर्तन लेकर दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर

उषा नगर में नर्मदा जल प्रदाय पूरी तरह ठप, पानी के लिए हाहाकार

इन्दौर. लगातार आठ बार देश में स्वच्छता में अव्वल रहने वाला इंदौर शहर इन दिनों भीषण जल संकट की चपेट में है. कई क्षेत्रों में तो स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे लोग सड़क पर उतर आए हैं. चक्काजाम कर और मटके फोड़कर जनप्रतिनिधियों के खिलाफ खुलकर नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं.

शहर के सबसे पुराने क्षेत्र उषा नगर में भी भीषण जल संकट गहराता जा रहा है. क्षेत्र में नर्मदा जल प्रदाय पूरी तरह ठप होने से रहवासी पेयजल के लिए परेशान हैं नगर निगम की ओर से भेजा जा रहा छोटा टैंकर जरूरत पूरी नहीं कर पा रहा है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. शहर में पानी अब सबसे बड़ा संकट बन चुका है. कहीं महिलाएं खाली बर्तन लेकर दूर-दूर तक पानी भरने जा रही हैं, तो कहीं लोग घंटों टैंकरों का इंतजार करने को मजबूर हैं. कई इलाकों में दो-दो, तीन-तीन दिन तक नर्मदा का पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो गई है. शहर की कई कॉलोनियां पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हो चुकी हैं. हालात यह हैं कि टैंकर आने पर लोगों में पानी भरने को लेकर विवाद, यहां तक कि मारपीट तक हो रही हैं. कई घरों के बाहर टंकियां, ड्रम और बाल्टियां पहले से सजाकर रखी जा रही हैं, ताकि टैंकर आते ही पानी भरा जा सके.

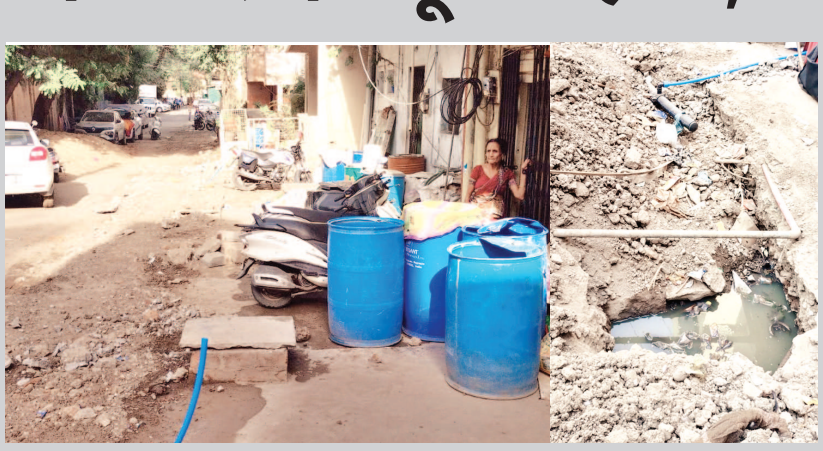

वार्ड 55 के अंतर्गत आने वाले उषा नगर क्षेत्र की गली नंबर 7 में इन दिनों जल संकट विकराल रूप धारण किए हुए है. क्षेत्र में नर्मदा जल की सप्लाई पूरी तरह बंद है, जिससे रहवासियों को पानी के लिए यहां-वहां भटकना पड़ रहा है. नगर निगम द्वारा एक छोटा पानी का टैंकर भेजा जाता है, जो प्रत्येक घर में सीमित मात्रा में पानी वितरित करता है, लेकिन वह भी प्रतिदिन ना पहुंचते हुए दो-तीन दिनों में एक बार पहुंचता है. ऐसे में लोगों को दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है. क्षेत्र की इसी गली में स्थित सरकारी बोरिंग पिछले कई दिनों से बंद पड़ा है. रहवासियों द्वारा करीब दस दिन पहले इसकी शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक सुधार कार्य नहीं किया गया. आधी गर्मी निकलने के बाद दूसरी गली की बोरिंग से पाइपलाइन जोड़कर घरों तक कनेक्शन तो दे दिए गए हैं, लेकिन अभी तक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है. हालांकि जनप्रतिनिधि और पार्षद क्षेत्र का दौरा तो करते हैं, लेकिन जल संकट का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है. भीषण गर्मी के बीच लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष कर रहे हैं.

रहवासियों का कहना है ...

पुरानी लाइन थी, चेंबर का गंदा पानी आता था, पिछले तीन महीना से ना तो बोरिंग और ना ही नर्मदा का पानी मिल रहा है. सड़क खोदकर बोरिंग लाइन डाली, लेकिन पानी नहीं मिल रहा.
-मोहम्मद आसिफ

नगर निगम के टैंकर से थोड़ा बहुत पानी मिलता है, जिससे पूर्ति नहीं होती, पानी की बहुत ज्यादा किल्लत हो रही है. आसपास के क्षेत्र में जाकर पानी लाना पड़ता है. बोरिंग लाइन भी चालू नहीं की.
- शिला परदेसी

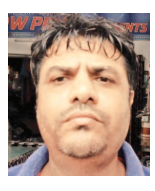

गली में लगा बोरिंग खराब है, मुश्किल से छोटा टैंकर आता है, वह भी एक-दो दिन में, इस बोरिंग की लाइन को गर्मी से पहले ही डाल देना चाहिए, ताकि लोगों को पानी मिल जाता.
- वाहिद कुरैशी